

लोक-सत्ता स्त्री. (तत्.) 1. जनता की सत्ता या शासन 2. जनतांत्रिक प्रणाली द्वारा संचालित जनता की सत्ता या शासन।

लोक-सदन पुं. (तत्.) लोकसभा।

लोक-सभा स्त्री. (तत्.) 1. लोकतंत्रात्मक राज्यों या देशों में विधान आदि बनाने वाली जनप्रतिनिधियों की सभा या सदन 2. भारतीय गणराज्य की संसद का निचला सदन। house of people

लोक-सिद्ध वि. (तत्.) समाज या लोक द्वारा स्वीकृत, लोक में प्रचलित।

लोक-सुंदर वि. (तत्.) समाज या लोक द्वारा जिसकी प्रशंसा की गई हो, लोक प्रशंसित।

लोकसेवक पुं. (तत्.) 1. जनता या समाज की सेवा संबंधी कार्यों में तैनात या नियुक्त सरकारी कर्मचारी, 2. सार्वजनिक विभागों में काम करने वाला। public servant

लोकसेवा स्त्री. (तत्.) 1. जनहित की दृष्टि से किया जाने वाला कार्य 2. राजकीय नौकरी, सरकारी नौकरी जो जनता के कष्ट दूर करने के लिए होती है। public service

लोकसेवा आयोग पुं. (तत्.) उच्च श्रेणी के लोक सेवकों का परीक्षा आदि के आयोजन द्वारा चयन करने हेतु गठित आयोग। public service commission

लोक-स्वास्थ्य पुं. (तत्.) जन स्वास्थ्य, सार्वजनिक रूप से लोगों या जनसमुदाय का स्वास्थ्य। public health

लोक-हार पुं. (तत्.) संसार का संहार या नाश करने वाले देव, शिव, महादेव।

लोकहित पुं. (तत्.) 1. लोक-सेवा 2. सर्वसाधारण का हित या काम 3. मानव मात्र का कल्याण। public good

लोकांतर पुं. (तत्.) 1. परलोक 2. वह लोक जहाँ मरने के बाद जीव जाता है।

लोकांतरण पुं. (तत्.) एक लोक से हटाकर दूसरे लोक में अंतरण या भेजा जाना।

लोकांतरित वि. (तत्.) 1. जो इस लोक से परलोक चला गया हो 2. इस लोक से दूसरे लोक चले जाने वाला।

लोकाचार पुं. (तत्.) 1. सांसारिक व्यवहार या चलन 2. दूसरों से सामाजिक संबंध स्थिर रखने के लिए आवश्यक व्यवहार।

लोकाचारी वि. (तत्.) 1. लोकाचार का पालन करने वाला 2. समाज के समक्ष दिखावटी लोक-व्यवहार में निपुण, ढोंगी 3. ऐसा आचरण करने वाला जिससे सामाजिक लोग उससे प्रसन्न रहें, दुनियादार।

लोकाट पुं. (तत्.) 1. एक वृक्ष 2. लोकाट वृक्ष का फल जो बेर के बराबर का होता है तथा पकने पर पीले रंग का होकर मीठा हो जाता है।

लोकाधिक वि. (तत्.) संसार से परे, लोक से अलग, असाधारण।

लोकाधिप पुं. (तत्.) 1. लोक का अधिप अर्थात् राजा नरेश 2. महात्मा बुद्ध 3. लोकपाल।

लोकाना स.क्रि. (तत्.) 1. किसी को कोई चीज़ उछालकर देना, किसी वस्तु को उछालना।

लोकानुग्रह पुं. (तत्.) लोक-कल्याण, लोगों की भलाई या हित।

लोकापवाद पुं. (तत्.) बदनामी, लोकनिंदा।

लोकायत पुं. (तत्.) 1. इहलोक अर्थात् इस संसार के अलावा अन्य किसी लोक को मान्यता न देने वाला 2. आत्मा, परलोक, नरक और स्वर्ग की परिकल्पनाओं को मिथ्या मानने वाला 3. नास्तिक मत के आचार्य चार्वाक का अनुयायी 4. दुर्मिल छंद।

लोकायतिक पुं. (तत्.) नास्तिक, चार्वाक का अनुयायी व्यक्ति वि. लोकायत संबंधी, लोकायतन, लोकायत का।

लोकालोक पुं. (तत्.) सातों समुद्रों तथा द्वीपों को चारों ओर से घेरे रखने वाला एक पर्वत जो बौद्ध ग्रंथों के अनुसार 'चक्रवाल' नाम का बताया जाता है।